प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 5 सितम्बर, 2017 को शिक्षक दिवस के अवसर पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के साईंटिफिक कंवेंशन सेण्टर में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा0 राज्यपाल/कुलाधिपति श्री रामनाईक जी के साथ विशिष्ट अतिथि प्रो0 डी0के0 गुप्ता, पूर्व कुलपति किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय/अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान नई दिल्ली के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रो0 चंद्रावती पूर्व विभागाध्यक्ष स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के0जी0एम0यू0 के साथ चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट के स्वागत सम्बोधन द्वारा हुआ। इस अवसर प्रो0 भट्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। किसी भी देश का विकास उसके उच्च स्तरीय शिक्षा के द्वारा ही सम्भव है। यदि किसी देश का विनाश करना हो तो उसके लिए उसकी शिक्षा के स्तर में गिरावट ही काफी है। शिक्षक का कार्य अन्य सभी कार्यो में महान है।

कार्यक्रम में प्रो0 चंद्रावती ने कहा कि मैने इस संस्थान को अपने 43 साल दिया है। मैने यहा पर विद्यार्थी की तरह शिक्षा ग्रहण किया है और फिर शिक्षक बनकर विद्यार्थीयों को शिक्षित भी किया है। उन्होने ने कहा कि शिक्षक कभी भी अवकाश प्राप्त नही होता है। प्रत्येक शिक्षक अपने जीवन के प्रत्येक दिन कुछ ना कुछ सीखता है और प्रत्येक दिन अपने विद्यार्थीयों को कुछ ना कुछ नया सीखता है। हमे अपने विद्यार्थीयों को उनके विषय के साथ ही साथ मानवता भी सिखानी चाहिए। एक शिक्षक को अपने विद्यार्थीयों के लिए एक आदर्श होना चाहिए।

इस मौके पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 डी0के0 गुप्ता ने कहा कि उन्हे इस बात का गर्व है कि उनके द्वारा 5 सितम्बर, 2012 में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित करने का जो शुभारम्भ किया था वो तब से अनवरत चल रहा है। उन्होने कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी की पहचान उसके शिक्षक के नाम से होती है कि आप उनके शिष्य है। इस अवसर पर मा0 राज्यपाल ने अपने द्वारा लिखित पुस्तक चरैवति चरैवति के कुछ उद्धरणों द्वारा शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर पर प्रो0 अशोक चन्द्रा पूर्व विभागाध्यक्ष मेडिसिन विभाग द्वारा लिखित पुस्तक क्लीनिकल मेडिसिन एवं डॉ0 अनुराग कुमार द्वारा लिखित पुस्तक बाई पोलर का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में मा0 राज्यपाल/कुलाधिपति श्री राम नाईक जी द्वारा प्रो0 चंद्रावती, पूर्व विभागाध्यक्ष, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग एवं प्रो0 सतीश चंद्रा, पूर्व अधिष्ठाता दंत संकाय/ पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष पीडिओडॉन्टिक्स विभाग केजीएमयू को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम मे मंचासीन अतिथियो में प्रो0 विनीता दास, अधिष्ठाता चिकित्सा संकाय, प्रो0 शादाब मोहम्मद, अधिष्ठाता दंत संकाय, प्रो0 मधुमती गोयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो0 मधुमती गोयल द्वारा कार्यक्रम में पधारे अतिथियो को धन्यवाद दिया गया। मंच का संचालन प्रो0 अमिता पाण्डेय द्वारा किया गया। इस मौके पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष सहित संकाय सदस्य एवं चिकित्सा छात्र छात्राायें उपस्थित रहे।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू